‘समझदार जीवनसाथी और जिम्मेदार पिता’ कार्यक्रम अर्न्तगत

पी0आर0ए0 माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दो की समझ बढ़ाने हेतु एनीमेटर्स प्रशिक्षण माड्यूल

मैनुअल के बारे में –

‘ओक’ फाउण्डेशन के सहयोग से ‘सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड सोशल जस्टिश’ (सी0एच0एस0जे0) नई दिल्ली द्वारा झारखण्ड के तीन जिलो रांची, गुमला व बोकारो के 30 गांवो में ‘समझदार जीवनसाथी व जिम्मेदार पिता’ कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रत्येक गांव के स्तर पर एक पुरूष वालेन्टिर (एनीमेटर) का चयन किया गया है जो अपने गांव में गठित पुरूष व किशोर लड़कों के समूह की अगुवाई करता है। पुरूष समूह में जुड़े सदस्य मासिक बैठकों व शैक्षणिक सत्रो के माध्यम से महिलाओं व बच्चों के अधिकारों, जेण्डर समानता व हिंसा को प्रभावित करने वाले विभिन्न घटको तथा पुरूषों की भागीदारी को लेकर चर्चा, जानकारी व समझ बनाने का प्रयास करते हैं। सी0एच0एस0जे0 द्वारा तीनो जिलो में पार्टनर संस्थाओं के परियोजना स्टाफ (फैसलिटेटर) व एनीमेटर्स के साथ जेण्डरगत भेदभाव, जेण्डर आधारित हिंसा, मर्दानगी, यौनिकता/लैगिंकता आदि विषयों पर समय–समय पर विभिन्न प्रशिक्षणों के आयोजन किया गया है। समझदार जीवनसाथी व जिम्मेदार पिता परियोजना के तहत गांव स्तर पर महिलाओं के सामाजिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न सामाजिक मुद्दो की पहचान, विश्लेषण व नियोजन के लिए एनीमेटर्स के साथ सहभागी ग्रामीण अध्ययन (पी0आर0ए0) तकनीक पर चार दिवसीय प्रशिक्षण हेतु माड्यूल तैयार किया गया।

मैनुअल बनाने का उद्देश्य –

यह मैनुअल इस सोच पर आधारित है कि वर्तमान सामाजिक व्यवस्था में लैगिंक भेदभाव– शिक्षा के अवसर, घरेलू कार्य, कम उम्र में शादी, मातृत्व स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, जल्दी बच्चें पैदा करने, एकल महिलाओं की खराब सामाजिक स्थिति तथा लड़कियों व महिलाओं के साथ हो रही हिंसा, हिंसक मर्दानगी की सामाजिक स्वीकृति, यौनिकता/लैगिंकता के बारे में व्याप्त गलत सामाजिक धारणाओं, सामाजिक सम्बंधों की सत्तात्मक ताने–बाने तथा पुरूषों के पितृत्व गुणों के सामाजिक प्रतिबन्धों पर सकारात्मक समझ बनाने की जरूरत है।

पी0आर0ए0 के माध्यम से पुरूष स्थानीय स्तर पर सामूहिक विश्लेषण के माध्यम से उन परिस्थितियों व कारको को समझ पायेगें जिनसे महिलाओं के सामाजिक न्याय में बाधा उत्पन्न होती है तथा पुरूष सभी के समान अवसरों, पहचान व अधिकारों के प्रति अधिक संवेदनशील व जवाबदेह बनेगें। इस प्रकार इस मैनुअल का मुख्य उद्देश्य इस प्रकार से है –

1. पी0आर0ए0 तकनीक पर जानकारी व समझ बढ़ाना।
2. सामुदायिक स्वास्थ्य और उसके घटकों पर समझ बढ़ाना।
3. पी0आर0ए0 माध्यम से गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य स्थिति के आंकलन हेतु कौशल बढ़ाना।
4. सामाजिक जवाबदेही के मूल्यांकन की सामुदायिक भूमिका पर समझ बढ़ाना।

मैनुअल बनाने का तरीका –

मैनुअल को विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया है जिसमें सैद्धान्तिक पक्षो की जानकारी व फील्ड स्तर पर अभ्यास शामिल है। मैनुअल में विषय के आधार पर प्रत्येक सत्र के उद्देश्य, अपनाई जाने वाली पद्धति, गतिविधियां व स्थापित किये जाने वाले विषय के सार को जोड़ा गया है। विभिन्न अभ्यास सत्रो

के दौरान प्रतिभागियों के साथ पूछे जा सकने वाले संभावित प्रश्नो व उसके संभावित उत्तरों का प्रारूप तथा प्रशिक्षकों के लिए हैंडआउट नोट दिया गया है। मैनुअल में फील्ड स्तर पर जानकारी निकालने के लिए सहभागी तरीके से किये जाने वाले अभ्यासो को रूचिकर व उपयोगी तरीके से जोड़ा गया है।

मैनुअल का उपयोग –

इस मैनुअल को इस्तेमाल करने के लिए जरूरी है कि उपयोगकर्ता को विभिन्न सामाजिक मुद्दो व जेण्डर, महिला स्वास्थ्य आदि विषयों की जानकारी व समझ हो और अधिकार आधारित प्रक्रिया की समझ रखते हो। उपयोगकर्ता पी0आर0ए0 की प्रक्रियाओं की जानकारी रखते हो तथा स्थानीय स्तर पर निकलने वाले मुद्दो की पहचान व उनकी विश्लेषणात्मक समझ, बदलाव के व्यवहारिक पहलुओं, अनुभवों तथा आने वाली संभावित चुनौतियों आदि को दूसरों के साथ सहज तरीके से रख सकने में सक्षम हो। उपयोगकर्ता के लिए यह भी जरूरी है कि वह दूसरों के अनुभवों को सम्मानजनक तरीके से स्वीकारने व इस पर काम करने की रूचि रखता हो। इस प्रकार ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता जो पुरूषों के साथ काम करते हैं, वे इस मैनुअल का प्रयोग कर सकते हैं। उपयोगकर्ता इस मैनुअल को अपने उद्देश्यों के अनुसार विभिन्न चरणों में तय सत्रो के अनुसार या क्रमबद्ध तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं तथा सुविधानुसार बदलाव भी कर सकते हैं।

प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली –

माड्यूल में शामिल किये गये विभिन्न सत्र पूर्णतः सहभागिता व वयस्को के सीखने के सिद्धान्त पर आधारित हैं, जिसके तहत सैद्धान्तिक व अभ्यास (इन हाउस व फील्ड) दोनों प्रकार के सत्रों का समावेश किया गया। सत्रों को रूचिकर व तथ्यपरख बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया है। पी0आर0ए0 की इस प्रक्रिया में स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न सामाजिक मुद्दो को समझने के लिए कुछ अंकगणतीय गणना की जरूरत के आधार पर सरल व सहज तरीकों से उनके अभ्यास को जोड़ा गया है।

पहला दिन

सत्र : 1 स्वागत एवं परिचय, अपेक्षाएं व आधारभूत नियम

उद्देश्य :

1. प्रतिभागी एक दूसरे के बारे में तथा किये जाने वाले कामों के बारे में ठीक तरह से जान पायेगें।
2. प्रशिक्षण के सुचारू संचालन व सीख को प्रभावी बनाने में प्रतिभागी अपना जुड़ाव महसूस कर पायेगें।

पद्धति : जोड़े में परिचय व फ्री लिस्टिंग

समय : 120 मिनट

सामग्री : चार्ट, मार्कर

गतिविधिया :

स्वागत एवं परिचय –

1. सर्वप्रथम प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बतायें।
2. तत्पश्चात् आपसी परिचय के लिए प्रतिभागियों को दो–दो के जोड़े में बांटे। तथा सभी जोड़े को एक दूसरे के बारे में नाम, कहां से आये हैं, परियोजना के साथ कब से जुड़े हैं, क्या–क्या काम करते हैं, कैसे काम करते हैं आदि के बारे में बताने के लिए कहें।

3. फैसलिटेटर प्रतिभागियों को मिलकर परियोजना का कार्यक्षेत्र जानने के लिए चार्ट पेपर पर नक्शा बनाने के लिए प्रोत्साहित करें जिसमें जिला, ब्लाक, चयनित गांव व उनकी आपस में दूरी दर्शाई गई हो। फैसलिटेटर को चाहिये कि वे प्रतिभागियों के बीच में उनकी मदद करें।
4. कार्यक्षेत्र के नक्शा को हाल की दीवाल में लगा दे।

अपेक्षाएं जानना –

5. इसके बाद प्रतिभागियों से खुली चर्चा करते हुए लिस्टिंग करें कि, ऐसा कौन सा विषय है (अपेक्षाएं क्या हैं?), जिस पर जानकारी बढ़ाने की जरूरत है?
6. फैसलिटेटर को चाहिये कि प्रतिभागियों से निकलने वाले बिन्दुओं को चार्ट में लिखते जाय।
7. प्रतिभागियों द्वारा निकाले गये बिन्दुओं को जोड़ते हुए फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि अब हम लोग पी0आर0ए0 तकनीक के माध्यम से गांव स्तर पर महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले अन्य विभिन्न सामाजिक मुद्‌दो को भी पहचानने की कोशिश करेगें।
8. अपेक्षाओं के चार्ट को प्रशिक्षण हाल की दीवार में लगा दें।

आधारभूत नियम तय करना –

9. फैसलिटेटर प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए आधारभूत नियम (क्या नही करना है, कितने बजे सत्र शुरू करेगें और कितने बजे समाप्त करेगें, जहां समझ में न आये सवाल पूछना, प्रतिभागी आपस में एक दूसरे को सीखने–सिखाने में मदद करेगें, समय का पालन करना आदि) बना लें।
10. बनाये गये नियमो के चार्ट को दीवाल में लगा दें, ताकि सभी प्रतिभागी उसको लागू करने में सहयोग कर सकें।

सत्र : 2 महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक

उद्‌देश्य : महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की पहचान व ये कैसे प्रभावित करते हैं इस पर जानकारी व समझ बन सकेगी।

पद्धति : सामूहिक चर्चा, समूह कार्य व प्रस्तुतीकरण

समय : 120 मिनट

सामग्री : चिट, पेपर, चार्ट, मार्कर

गतिविधियां :

1. प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटे। इसके बाद दोनों समूहों को 'स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक' पर आपसी चर्चा करते हुए चार्ट के माध्यम से दोनो समूहो को प्रस्तुतीकरण करने के लिए कहें।
2. दोनों समूहों की चर्चा और प्रस्तुतीकरण के बाद निकले बिन्दुओं को प्रमुख तौर से निम्न प्रकार से वर्गीकृत करते हुए स्पष्ट करें कि कैसे ये कारक महिलाओं के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करते हैं–
   - साफ–सफाई / वातावरण
   - भोजन / पोषण
   - जेण्डर एवं अन्य भेदभाव
   - जेण्डर आधारित हिंसा
   - शिक्षा
   - कम उम्र में शादी

- स्वास्थ्य सेवाओं/सुविधाओं का अभाव
- महिला साझेदारी
- टीकाकरण
- विभिन्न हितधारकों की जवाबदेही

3. स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों पर स्पष्टता बनाने के लिए फैसलिटेटर प्रतिभागियों के सामने एक प्रश्न पूछे कि **'एक गर्भवती महिला की मृत्यु हो जाती है'** तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?
4. प्रतिभागियों से निकले वाले संभावित उत्तरो पर चर्चा करते हुए सही कारणों को स्पष्ट करें। (संभावित उत्तर– घर के लोग, महिला स्वंय, पति)

सार :– फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि महिलाओं के खराब स्वास्थ्य के लिए कोई एक व्यक्ति जिम्मेदार नही है बल्कि हमें पूरी सामाजिक व स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को भी देखने की जरूरत है, जिससे पता चलेगा कि सेवा प्रदाताओं के साथ–साथ स्वास्थ्य व्यवस्था भी जिम्मेदार है। महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले बहुत सारे पारिवारिक, सामाजिक व संस्थागत कारक भी होते हैं। इनके आलावा अनेक शैक्षणिक व धार्मिक वजहों से भी महिलाओं का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अतः महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हमें तीनों स्तर (परिवार, समाज व स्वास्थ्य व्यवस्था) पर सामूहिक पहल करने की जरूरत है। इससे महिलाओं के साथ–साथ परिवार के अन्य लोगों का भी स्वास्थ्य बेहतर होगा।

सत्र : 3 सार्वजनिक नीतियां व कार्यक्रम– राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उपस्वास्थ्य केन्द्र, सहिया, ए0एन0एम0

उद्देश्य :

1. स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में प्रतिभागी जान पायेगें।
2. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन तथा उसके प्राविधानों व स्वास्थ्य केन्द्रो के स्तर पर मिलने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी बन पायेगी।
3. विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भूमिकाओं व कार्यो के बारे में समझ बन पायेगी।

पद्धति : क्विज प्रतियोगिता

समय : 120 मिनट

सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर

गतिविधियां :

1. इस प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को दो अलग–अलग समूहों में बांटे।
2. फैसलिटेटर को चाहिये कि वे प्रतियोगिता के लिए नियम बना दे कि यदि सवाल पहली टीम से पूछा जाता है तो पहली टीम से पूछे जाने वाले सवाल का जवाब ग्रुप से चर्चा करके ग्रुप का कोई भी व्यक्ति दे सकता है तथा यदि ग्रुप का उत्तर सही पाया जायेगा तो उसे 2 अंक मिलेगें तथा यदि सवाल का उत्तर गलत पाया गया तो वही सवाल दूसरे ग्रुप से पूछा जायेगा और यदि दूसरी टीम से सही उत्तर मिलता तो बोनस के तौर पर उसे 1 अंक दिया जाता।
3. इसी प्रकार दूसरा सवाल दूसरे समूह से किया जायेगा तथा सही उत्तर मिलने पर उस ग्रुप को 2 अंक तथा गलत जवाब मिलने पर वही सवाल पहले समूह से पूछा जायेगा। यदि पहले समूह से जवाब आता है तो उन्हे बोनस के तौर पर 1 अंक दिया जायेगा।
4. फैसलिटेटर प्रतिभागियों को स्पष्ट करें कि यह प्रक्रिया दोनो समूहों के साथ 10 चक्रो में दोहराई जायेगी।

5. फैसलिटेटर को चाहिये कि वे पूछे जाने वाले प्रत्येक सवालों के बाद निकले वाले जवाबों के आधार पर दिये जाने वाले अंको को चार्ट पर लिखते जाय।
6. फैसलिटेटर को चाहिये कि वे पूछे जाने वाले सवाल के उत्तर व उससे जुड़ी हुई जानकारियों को विस्तार के साथ प्रतिभागियों को दें तथा उस पर स्पष्टता बनायें।
7. दोनों टीमों को प्राप्त अंको को जोड़ते हुए फैसलिटेटर क्विज प्रतियोगिता के बारे में स्पष्ट करें कि इसका उद्‌देश्य स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों पर समझ बनाना था।

प्रतियोगिता में पूछे जाने वाले सवाल –

- एन0आर0एच0एम0 का पूरा नाम क्या है?
- एन0आर0एच0एम0 के मुख्य लक्ष्य क्या है?
- एन0आर0एच0एम0 की मुख्य कार्य नीतियां क्या है?
- सहिया कौन है?
- सहिया का चयन कैसे होता है?
- सहिया के प्रमुख कार्य क्या है?
- ए0एन0एम0 के प्रमुख तीन कार्य क्या हैं?
- जननी शिशु सुरक्षा योजना का मुख्य उद्‌दे य क्या है?
- जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत किनको और कितनी आर्थिक सहायता प्राप्त होती है।
- गर्भावस्था के दौरान महिला को मिलने वाली पांच प्रमुख सेवाओं के नाम बताईए?
- महिलाओं का प्रसव कहॉ–कहॉ हो सकता है?
- उपस्वास्थ्य केन्द्र में कौन–कौन सी सेवाओं की गारन्टी है?
- ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस कहां मनाया जाता है?

दूसरा दिन

सत्र : 1 पहले दिन का रिव्यू व चर्चाओं पर स्पष्टता

उद्‌देश्य : पहले दिन की चर्चाओं से बनी सीख को दोहराना तथा किसी सवाल या कन्फूयजन को दूर करना।

पद्धति : सामूहिक शेयरिंग व चर्चा

समय : 60 मिनट

सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर

गतिविधियां :

1. सर्वप्रथम फैसलिटेटर, सभी प्रतिभागियों से पहले दिन हुई चर्चाओ से बनी सीख को एक–एक कर बताने के लिए कहें।
2. तत्पश्चात फैसलिटेटर को चाहिये कि वे प्रतिभागियों की छूटी हुई बात को जोड़े।
3. इसके बाद फैसलिटेटर को चाहिये कि वे प्रतिभागियों की किसी आशंका या जो बात समझ में न आई हो उसको पूछते हुए सूची बनाये तथा उन बिन्दुओं को स्पष्ट करें।

सत्र : 2 सामाजिक और स्वास्थ्य समस्याओं सम्बंधी मुद्‌दे

उद्‌देश्य : समुदाय स्तर पर महिला स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न सामाजिक व स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान हो पायेगी।

पद्धति : सामूहिक चर्चा

समय : 120 मिनट
सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर
गतिविधियां :

1. पोषण :–

- पूर्व सत्र में से जोड़ते हुए फैसलिटेटर प्रतिभागियों से पूछे कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारको में 'पोषण' भी एक है अतः गांव के स्तर पर हमें पोषण कहां–कहां से मिलता है।
- प्रतिभागियों से मिलने वाले जवाबों को स्पष्ट करते हुए फैसलिटेटर बताये कि हमें विभिन्न जगहों (आंगनबाडी केन्द्र, स्कूल, राशन की दुकान) से मिलने वाले पोषण की मात्रा व गुणवत्ता को भी देखना होगा, क्योंकि इनसे महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित होता।
- फैसलिटेटर को चाहिये कि वे पोषण मिलने वाली जगहों से उसकी मात्रा व गुणवत्ता के बारे में प्रतिभागियों से उनके अनुभवों को सुने तथा स्पष्ट करें कि हमें पोषण के मुद्दे पर पूरी तथा सही जानकारी एकत्र करना चाहिये, तभी पोषण की मात्रा व गुणवत्ता में सुधार के लिए सकारात्मक पहल की जा सकती है।
- गांव में पोषण की स्थिति निम्न जगहों पर देखी जा सकती है –
  1. आंगनबाड़ी
  2. स्कूल
  3. राशन की दुकान

2. शादी की उम्र :–

- इसके बाद फैसलिटेटर को चाहिये कि वह 'कम उम्र में शादी' महिलाओं के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है इस पर प्रतिभागियों के अनुभवों को सुने तथा महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले अन्य प्रभावों को स्पष्ट करें।
- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए 'कम उम्र में शादी' से जुड़ी हुई किन बातों को गांव के स्तर पर देखेगें उन्हें चिन्हित करें, जो निम्न प्रकार से हो सकती हैं –
  1. कितने लड़को की शादी हुई है व कौन सी उम्र में
  2. कितनी लड़कियों की शादी हुई है और कौन सी उम्र में

3. शिक्षा :–

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे कि शिक्षा होने से महिलाओं व लड़कियों का स्वास्थ्य कैसे प्रभावित होता हैं?
- प्रतिभागियों से निकलने वाले उत्तरो को स्पष्ट करते हुए फैसलिटेटर बताये कि लड़कियों की पढ़ाई बन्द होने से उनके बाहर निकलने व जानकारी पाने के अवसर सीमित हो जाते हैं तथा घर वाले जल्दी शादी कर देते हैं जिससे जल्दी मॉ भी बन जाती हैं जिससे उनके स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ता है।
- फैसलिटेटर को चाहिये कि वे प्रतिभागियों के साथ चर्चा करके उन बिन्दुओं को चिन्हित करें, जिससे गांव स्तर पर लड़कियों की शिक्षा की सथिति को देखा जा सकें जो निम्न प्रकार से हो सकते हैं –

  12–18 वर्ष के स्कूल छोड़ने वाले लड़के और लड़कियां

4. बच्चों के बीच में स्पेश :–

- फैसलिटेटर प्रतिभागियों से पूछे कि आमतौर पर गांव में शादी के कितने माह बाद बच्चें पैदा होते हैं तथा बच्चों के बीच स्पेश कितना होता है?

- प्रतिभागियों से निकलने वाली जानकारी के आधार पर फैसलिटेटर उनके साथ चर्चा करें कि जल्दी बच्चें होने से इसका महिलाओं के स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है।
- फैसलिटेटर को चाहिये कि गांव में बच्चों के बीच स्पेश देखने के लिए प्रतिभागियों के साथ निकाली जाने वाली जानकारी पर चर्चा करे तथा इसके लिए निम्न बिन्दु हो सकते हैं –
    1. शादी और पहले बच्चें के जन्म में स्पेश
    2. आखिरी बच्चे और उससे पहले वाले बच्चें के जन्म में स्पेश

5. मातृत्व स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं :–

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से पूछे कि गांव के स्तर पर कौन–कौन सी मातृत्व स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं?
- प्रतिभागियों से निकलने वाले जवाब के आधार पर फैसलिटेटर मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं को स्पष्ट करें तथा गांव के स्तर पर इन सुविधाओं की स्थिति जानने के लिए प्रतिभागियों के साथ निम्न बिन्दुओं पर चर्चा करें –
    1. टीकाकरण
    2. जांच
    3. सुरक्षित प्रसव

6. मातृत्व स्वास्थ्य देखभाल में पुरूष भागीदारी :–

- मातृत्व स्वास्थ्य देखभाल में पुरूषों की भागीदारी के लिए फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से पूछे कि पुरूषों की भागीदारी कितनी तथा किस–किस में रहती है? निकलने वाले बिन्दुओं को चार्ट में लिखते जाय।
- फैसलिटेटर यह भी पूछे कि अगर पुरूषों की भागीदारी नही रहती तो उसे कारण क्या हैं?
- गांव के स्तर पर पुरूषों की भागीदारी को जानने के लिए निम्न बिन्दुओं पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा करें –
    1. पत्नी को जांच के लिए लेकर जाना
    2. पत्नी को प्रसव के लिए लेकर जाना

7.बच्चों का टीकाकरण :–

- फैसलिटेटर प्रतिभागियों से पूछे कि बच्चों को कौन–कौन से व कितने टीके / दवा पिलाई जाती है?
- प्रतिभागियों से निकलने वाले जवाबों के आधार पर फैसलिटेटर उन्हें स्पष्ट करें।
- गांव के स्तर पर बच्चों को लगने वाले टीकों व पिलाई जाने वाली दवा से सम्बंधित जानकारी के लिए निम्न बिन्दुओं को स्पष्ट करें –
    1. 8 टीके लगे या नही
    2. बच्चों के टीकाकरण में पिताओं की भागीदारी

8. एकल महिला :–

- फैसलिटेटर प्रतिभागियों से पूछे कि एकल महिला का मतलब क्या है?
- प्रतिभागियों से निकलने वाले जवाब के आधार पर फैसलिटेटर स्पष्ट करें।
  (विधवा, तलाक शुदा, जिसे छोड़ा गया हो, जो बिना शादी के रहती हो, जो अलग रहती हो)
- इसके बाद फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से पूछे कि अगर हमें एकल महिलाओं के स्वास्थ्य की स्थिति को देखना है तो किस प्रकार देखेगें?
- फैसलिटेटर को चाहिये कि निकलने वाले जवाबों के आधार पर स्पष्ट करें तथा बताये कि हम निम्न स्थितियों को देखकर उनके स्वास्थ्य की स्थिति का पता कर सकते हैं।
    1. पहचान

2. आर्थिक स्वतत्रंता
3. सामाजिक सोच/मूल्य

9. स्वच्छता (शौचालय) :–

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से पूछे कि शौचालय से महिलाओं का स्वास्थ्य किस प्रकार प्रभावित होता है?
- फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि शौचालय न होने से महिलाओं को किन–किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा उनका स्वास्थ्य किस प्रकार प्रभावित होता है।
- इसके बाद फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से चर्चा करते हुए स्पष्ट करें कि हम गांव में महिलाओं के लिए शौचालयों की स्थिति को निम्न जगहों पर देख सकते हैं।
  1. शौचालय – परिवार और संस्थाओं के स्तर पर (स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन)
  2. शौचालय – उपयोग लायक हैं या नही

सार – फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि, उपरोक्त चिन्हित किये गये सभी 9 मुद्दे ऐसे हैं जिनका असर किसी न किसी रूप में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। चिन्हित किये गये ये सभी मुद्दे ऐसे हैं जिनका सीधा रिश्ता परिवार व समुदाय से जुड़ा है। यदि गांव में पुरूष उपरोक्त मुद्दो को लेकर परिवार व समुदाय के स्तर पर सकारात्मक पहल करें तो इससे महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाया जा सकता है, क्योंकि ये सभी पहलू ऐसे हैं जिन पर समाज के लोगों को ही पहल करना होगा।

सत्र : 3 पी0आर0ए0 प्रक्रियाओं पर अभ्यास – सामाजिक मानचित्रण व फील्ड वर्क का नियोजन, सूचना के संग्रह बिन्दु व तरीके, प्रस्तुतीकरण की विधि

उद्देश्य :

1. पी0आर0ए0 क्या है?, इस पर प्रतिभागियों की जानकारी व समझ बन पायेगी।
2. सामाजिक–संसाधन मानचित्रण पर प्रतिभागियों की समझ बन पायेगी।
3. समुदाय स्तर पर जानकारी एकत्र करने के बिन्दुओं व तरीकों पर प्रतिभागियों की समझ बनेगी।
4. एकत्र जानकारी के प्रस्तुतीकरण पर प्रतिभागियों की समझ बन पायेगी।

पद्धति : सामूहिक चर्चा व अभ्यास
समय : 120 मिनट
सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर, पेन व पैड
गतिविधियां :
पृष्ठभूमि – फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि परियोजना के शुरूआत में हर गांव में कुछ चयनित पुरूषों के साथ इन्टरव्यू किया गया था तथा विभिन्न मुद्दो पर उनकी जानकारी व समझ जानने व महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी हुई विभिन्न तरह की सूचना ली गई थी। जिसके आधार पर बाद में यह पता करने में कि 'किस तरह से काम करने की जरूरत है यह समझने में मदद मिली है।

इसी प्रकार से गांव स्तर पर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न सामाजिक कारणों व उनकी स्थिति क्या है, यह जानने के लिए सहभागी ग्रामीण अध्ययन (पी0आर0ए0) किया जायेगा। इस तकनीक से गांव में लोग खुद ही विभिन्न स्थितियों को देखने और समझने की कोशिश करेगें। हम लोग गांव जाकर समूह व अन्य लोगों के साथ बातचीत व अन्य दूसरे तरीके से गांव की

सूचनाओं को निकालेगें, उसका विश्लेषण करेगें तथा बदलाव के लिये नियोजन करेगें। जब हम गांव में जायेगें तो हमारी भूमिका प्रशिक्षक के रूप में होगी।

पी0आर0ए0– जब गांव के लोग मिलकर अपने गांव की समस्याओं की साझा ससमझ तय करते हैं तथा समस्याओं के कारणों को खोजते हुए उनके समाधान के तरीकों को खोजते हुए भावी नियोजन करते हैं तो उस प्रक्रिया को सहभागी ग्रामीण अध्ययन (पी0आर0ए0) कहते हैं।

सामाजिक–संसाधन मानचित्रण :

1. सामाजिक मानचित्र तैयार करने की प्रक्रिया पर समझ बनाने व अभ्यास के लिए सर्वप्रथम प्रतिभागियों को गोल घेरे में बैठाये।
2. इसके बाद चार्ट पेपर पर एक कोने में ऊपर की ओर दिशाओं का सूचक बनाने के लिए कहें जिसमें ऊपर की तरफ उत्तर, नीचे की ओर दक्षिण, बाई ओर पूर्व तथा दाहिनी ओर पश्चिम लिखा जाय।
3. फैसलिटेटर को चाहिये कि वह गांव का सामाजिक–संसाधन मानचित्र तैयार करने के लिए प्रमुख सूचकों का निर्धारण प्रतिभागियों के साथ मिलकर करें जैसे– परिवार के घर, जल स्रोत, पंचायत भवन, आंगनबाडी केन्द्र, आशा का घर, अलग–अलग बस्ती, एकल महिलाओं वाले परिवार आदि का उल्लेख होना चाहिये।
4. गांव में सर्वप्रथम गांव का नक्शा बनाने के बाद किसी एक दिशा से सभी परिवारों के घरो को बड़े निशान से अंकित करने के लिए कहे ताकि अन्य निकलने वाली पहचानों (एकल महिला, शादी वाले घर, एक साल से कम उम्र के बच्चें आदि) के पहचान चिन्ह बनाये जा सकें।

उदाहरण के लिए, मानचित्र के लिए सूचक –

- घर – घर का निशान व क्रम संख्या ड़ालना है
- एकल महिला – महिला का निशान
- हैण्डपम्प – हैण्डपम्प का निशान
- कुंआ – गोला
- शौचालय – लोटा
- शादी वाले घर – स्वस्तिक
- लड़का – निशान के साथ संख्या लिखनी है
- लड़की – निशान के साथ संख्या लिखनी है
- आशा का घर – ASHA
- वी0एच0एन0डी0 का स्थान – VHND
- राशन की दुकान – R या तराजू का निशान
- आंगनबाडी केन्द्र – AW
- पंचायत भवन – P

5. प्रतिभागियों को निर्देशित करें कि गांव का सामाजिक–संसाधन मानचित्रण उपरोक्त आधारों पर ही समूह के सदस्यो/लोगों के साथ मिलकर गांव में करना है।
6. फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि मानचित्रण के आधार पर समूह सदस्यो के साथ मिलकर निम्न सूची तैयार करें –

- **जाति के आधार पर कुल परिवार**

(मानचित्रण में चिन्हित घरों के आधार पर समूह सदस्यो से पूछते हुए जाति आधारित परिवारों की सूची बनाना)

- **किन–किन परिवारों में एकल महिला हैं**
  (मानचित्रण में चिन्हित घरों के आधार पर उन परिवारों की सूची तैयार करना जहां एकल महिलाएं हैं।)
- **एक साल तक के बच्चे– लड़का व लड़की तथा उनकी उम्र**
  (मानचित्रण में चिन्हित घरों के आधार पर लड़का या लड़की का नाम, उम्र (माह में), सेक्स आदि की सूची बनाना)
- **12–18 साल के स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़के और लड़कियां**
  (मानचित्रण में चिन्हित घरों के आधार पर अलग–अलग वर्गो में स्कूल जाने वाले व न जाने वाले लड़को और लड़कियों की सूची बनाना है)
- **पिछले तीन साल में किन–किन घरों में शादी हुई है व शादी के समय उम्र क्या थी**
  (मानचित्रण में चिन्हित घरों के आधार पर जिन लड़के और लड़कियों की शादी हुई है उनका नाम, उम्र आदि की सूची बनाना है। यदि भी ध्यान रखना है कि शादी जिसके साथ हुई है उसकी उम्र क्या थी यह भी जानकारी लेना है।)

7. फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि दो समूहों में हम जिन दो अलग–अलग गांवों में जा रहे हैं वहां से उपरोक्त सूचनाएं निकालने के बाद अगले दिन उसकी रिपोर्ट बनायेगें।
8. फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि प्रत्येक समूह को गांव जाकर समूह सदस्यों/लोगों के साथ गांव का सामाजिक–संसाधन मानचित्रण पहले जमीन में बनाना है इसके बाद उसे चार्ट में उतारवाये। चार्ट तैयार हो जाने के बाद ही सम्बंधित जानकारी की सूची तैयार करें।
9. इसके बाद दोनो संस्थागत स्टाफ (फैसलिटेटर) के लिए एक–एक गांव का निर्धारण कर दें। दोनो संस्था स्टाफ के साथ प्रतिभागियों का बंटवारा कर दे। इसके लिए प्रतिभागी जोड़े में दो पहचानों को लेकर संस्था के स्टाफ को बतायेगें और संस्था स्टाफ बारी–बारी से एक–एक पहचान की मांग करेगें। इस प्रकार दो टीमें बन जायेगी।
10. फैसलिटेटर दोनो टीमो को गांव स्तर पर काम की जिम्मेदारी का बंटवारा आपस में निम्न प्रकार से करने के लिए निर्देशित करें। यदि समूह में ज्यादा सदस्य हैं तो उन्हें भी अलग–अलग समूह के साथ जोड़ दें।
    - 2 लोग मानचित्र बनवाने का काम करें
    - 1 लोग मानचित्र बनाने के लिए सभी को प्रेरित करने का काम या प्रश्न पूछने का काम करें
    - 2 लोग मानचित्र को चार्ट में फेयर करके बनवाने का काम करें
    - 2 लोग सूची बनाने का काम करें

सत्र : 4 फील्ड विजिट कार्य की तैयारी

उद्देश्य :

1. गांव स्तर पर समूह सदस्यों व लोगों के साथ सामाजिक–संसाधन मानचित्र तैयार करना।
2. जाति के आधार पर कुल परिवारों की संख्या, किन–किन परिवारों में एकल महिला हैं, एक साल तक के बच्चे–लड़का की संख्या व उनकी उम्र का पता करना, 12–18 साल के स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़के और लड़कियां की सूची बनाना, पिछले तीन साल में किन–किन घरों में शादी हुई है व शादी के समय लड़का व लड़की की उम्र क्या थी आदि को पता लगाना।

पद्धति : सामूहिक चर्चा व मानचित्रण द्वारा जानकारी एकत्र करना

समय : 1 घन्टा
सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर, पेन व पैड
गतिविधि –

1. फील्ड कार्य हेतु चयनित दो गांवो के लिए बनाई गई दोनों टीमों को अलग–अलग संस्थागत स्टाफ के नेतृत्व में जाने के लिए सूची बनाना।
2. फैसलिटेटर समूह से चाहिये कि वे भी दोनो गांवो की टीमों के साथ जाये तथा गांव में आवश्यकतानुसार मदद करें, इसकी तैयारी करना।

तीसरा दिन

सत्र : 1 फील्ड विजिटए फील्ड विजिट की शेयरिंग व फीड बैक

उद्देश्य :

1. तीसरे दिन के प्रथम सत्र में फील्ड विजिट व चर्चाओं से बनी सीख को आपस में शेयर करना।
2. फील्ड विजिट व कार्य के दौरान आने वाले समस्याओं व कन्फ्यूजन पर चर्चा करते हुए समाधान हेतु साझा समझ बनाना।

पद्धति : सामूहिक चर्चा
समय : 60 मिनट
सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर
गतिविधियां :

1. फैसलिटेटर दोनो समूहों को बारी–बारी से गांव में किये गये कार्यो, अनुभव तथा आने वाली दिक्कतों को शेयर करने के लिए कहे।
2. फैसलिटेटर को चाहिये कि फील्ड कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु साझा समझ विकसित करने में मदद करें।
3. जो सूचनाएं/जानकारी दूसरे दिन नही निकल पाई हैं, उसे पुनः निकालने के लिए फिल्ड योजना में शामिल करें।
4. फैसलिटेटर समूह द्वारा फील्ड आब्जरवेशन से निकले बिन्दुओं को प्रतिभागियों के साथ शेयर करें ताकि सामूहिक चर्चा व जानकारी को निकालने में मदद मिल सके।

सत्र : 2 फील्ड विजिट की रिपोर्ट लेखन व फील्ड अभ्यास का नियोजन करना

उद्देश्य :

1. **फील्ड विजिट की रिपोर्ट तैयार हो पायेगी।** (जाति के आधार पर कुल परिवारों की संख्या, किन–किन परिवारों में एकल महिला हैं, एक साल तक के बच्चे–लड़का की संख्या व उनकी उम्र का पता करना, 12–18 साल के स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़के और लड़कियां की सूची बनाना, पिछले तीन साल में किन–किन घरों में शादी हुई है व शादी के समय लड़का व लड़की की उम्र क्या थी पता लगाना।)
2. **फील्ड अभ्यास हेतु नियोजन करना** (1. मातृत्व स्वास्थ्य व शिशु स्वास्थ्य– सेवाएं व हकदारी 2.जेण्डर आधारित भेदभाव 3. महिलाओं की भागीदारी)
3. पूछताछ के बिन्दुओं, पूछताछ के तरीकों व टूल्स व प्रस्तुतीकरण के तरीकों पर चर्चा व अभ्यास करना।

पद्धति : सामूहिक चर्चा, मैट्रिक्स बनाना, समूहों में अभ्यास
समय : 180 मिनट
सामग्री : फ्लिप चार्ट, मार्कर
गतिविधियां –

1. दोनों समूह के सदस्यों को गांव से निकाली गई जानकारी की रिपोर्ट लिखने व उसके बाद प्रस्तुत करने के लिए कहें।
2. इसके बाद फैसलिटेटर चिन्हित किये गये अलग–अलग मुद्दो पर जानकारी लेने के लिए प्रतिभागियों के साथ उनके आधारों व तरीको को निर्धारित करते हुए टेबल बनाने का प्रयास करे।

1. पोषण सम्बंधी जानकारी :

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका –

- सर्वप्रथम फैसलिटेटर गांव में समूह के सदस्यों द्वारा ली जाने वाली जानकारी के उद्देश्यों को स्पष्ट करें, तथा निर्देश दे कि ऐसा ही चर्चा शुरू करने के पहले उन्हें गांव में समूह के सदस्यों/लोगों के साथ करना है।
- प्रतिभागी समूह गांव में गठित पुरूष समूह/लोगों के साथ चर्चा करते हुए चार्ट में पांच बिन्दुओं (आंगनबाडी में बच्चों को मिलने वाला पोषाहार, आंगनबाडी में गर्भवती/धात्री मॉ को मिलने वाला पोषाहार, स्कूल में मिलने वाला मिड डे मिल, किशोरियों को मिलने वाला पोषाहार, राशन की दुकान) के आधार पर सेवाओं की स्थिति व गुणवत्ता को लेकर ली जाने वाली जानकारी को स्पष्ट करें।
- प्रतिभागी समूह लोगों को बताये कि उन्हें मिलने वाली सेवाओं व गुणवत्ता स्थिति को बिना बोले तीन बिन्दुओं '**अच्छा**', '**औसत**' या '**खराब**' हैं पर वोटिंग के माध्यम से बताना है।

गुणवत्ता व मात्रा	आंगनबाडी में बच्चों को मिलने वाला पोषाहार	आंगनबाडी में गर्भवती/धात्री मॉ को मिलने वाला पोषाहार	स्कूल में मिलने वाला मिड डे मिल	किशोरियों को मिलने वाला पोषाहार	राशन की दुकान
अच्छा					
औसत					
खराब					

- इसके लिए उपस्थित सभी लोगों को पांच–पांच छोटी लकडियां/गेहूं के दाने/कंकड जो भी आसानी से उपलब्ध हो सकें दें। समूह के लोगों को यह छूट रहेगी कि वे किस खाने में कितने दाने/लकड़िया/ककंड डालते हैं।
- टीम लीडर स्पष्ट करें कि कोई व्यक्ति तीनो खाने (अच्छा, औसत व खराब) में से किसी भी खाने में अपनी इच्छानुसार जितनी भी गोटी डालना चाहे वह डाल सकते हैं।
- इसके बाद टीम लीडर एक–एक कर सभी उपस्थित लोगों को अपना वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करें।
- वोटिंग हो जाने के बाद प्रतिभागी समूह से एक सदस्य गोटी उठाकर गिनता जाय तथा गोटियों की संख्या को नोट पैड/चार्ट में ही लिखता जाय।
- इस प्रकार से यह प्रक्रिया आंगनबाडी में बच्चों व गर्भवती/धात्री महिलाओं को मिलने वाले पोषाहार, स्कूल में बच्चों को मिलने वाले पोषाहार, आंगनबाडी से किशोरियों को मिलने वाले पोषाहार व राशन की दुकान से मिलने वाले खाद्यान के संदर्भ में भी करें।

- ध्यान रहे कि प्रत्येक बार लोगों के आने जाने के कारण वोटिंग में भाग लेने वालो की संख्या अलग–अलग हो सकती है। इसलिए वोटिंग में तीनों आधारो (अच्छा, औसत व खराब) में पड़ने वाले वोटों की संख्या को नोट पैड/चार्ट में लिखते जाये। बाद में कुल पड़े वोटो की संख्या के आधार पर भाग लेने वाले लोगों की संख्या का पता लगाया जा सकता है।
- इसके बाद समूह सदस्यों के साथ उनके वोट करने के दृष्टिकोण तथा आधारों को जाने व वि लेषणात्मक चर्चा करें।
- टीम लीडर को चाहिये कि वे चर्चा को सकारात्मक दिशा में ले जाये, आपस में किसी तरह का विवाद न उत्पन्न होने दे।

2. शौचालय सम्बंधी जानकारी –

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका :

- गांव में कुल परिवारों की संख्या – ....
- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों को बताये कि हमें गांव में समूह के सदस्यों/लोगों के साथ चर्चा करते हुए अलग–अलग संस्थाओं (परिवार, पंचायत भवन, आंगनबाडी व स्कूल) में बने शौचालयों की सूची तैयार करना है।

  कुल बने शौचालय : .... परिवारों में

  .... संस्थाओं में (पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, स्कूल, आदि)
- इसके बाद फैसलिटेटर, प्रतिभागियों के साथ शौचालय उपयोग के लायक है या नही इसके लिए मानक व दिये जाने वाले प्वाइन्ट निर्धारित कर लें, जो निम्न प्रकार से हो सकते हैं –
  - कमरा है, पानी है, दरवाजा है – 2 अंक
  - केवल कमरे की व्यवस्था है – 1 अंक
- फैसलिटेटर, प्रतिभागियो को स्पष्ट करें कि तय किये गये मानकों के आधार पर ही शौचालयों की स्थिति को हमें गांव में समूह सदस्यों/लोगों के साथ चर्चा करते हुए निकालना है।
- परिवार व संस्थाओं में बने शौचालयों के आधार पर लोगों से पूछना कि उनमें क्या–क्या सुविधाएं हैं, इसके आधार पर शौचालय संख्या ड़ालते हुए निम्न टेबल के आधार पर नम्बर देना है।

शौचालय – परिवार	**कमरा है, पानी है, दरवाजा है – 2 अंक**	**केवल कमरे की व्यवस्था है– 1 अंक**
T1		
T2		
T3		
T3		
T4		
कुल अंक		
शौचालय – संस्था	**कमरा है, पानी है, दरवाजा है – 2 अंक**	**केवल कमरे की व्यव्स्था है– 1 अंक**
पंचायत भवन		
आंगनबाडी केन्द्र		
स्कूल 1		

स्कूल 2		
कुल अंक		

- इसके बाद फैसलिटेटर बताये कि अलग–अलग संस्थाओं के स्तर पर प्राप्त अंको का योग करना है।

3. शिक्षा : स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़का और लडकी सम्बंधी जानकारी –

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों को निर्देश दे कि सबसे पहले चिन्हित किये गये ऐसे परिवारों को जहां 12–18 साल तक के बच्वें हैं तथा उक्त परिवारों के लड़के या लड़कियां स्कूल जाती है या नही, उसकी सूची को फाइनल कर लें।
- बनाई गई सूची के आधार पर उक्त जानकारी को निम्न टेबिल के अनुसार लिखना है।

उम्र	कुल बच्चों की संख्या	लड़के		लड़कियां	
		स्कूल जाने वाले	स्कूल न जाने वाले	स्कूल जाने वाली	स्कूल न जाने वाली
12–18 साल					

4. शादी सम्बंधी जानकारी – पिछले तीन साल में हुई शादियों के आधार पर

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों को बताये कि सबसे पहले चिन्हित किये गये ऐसे परिवारों को जहां पिछले तीन साल में शादियां हुई हैं तथा किस उम्र में शादी हुई है, तथा जिसके साथ शादी हुई है उसकी उम्र क्या थी, (यदि लड़के की शादी हुई है तो उसकी उम्र के साथ–साथ उसकी पत्नी की उम्र भी लिखनी है।) उनकी सूची को निम्न टेबिल के आधार पर फाईनल कर लें।
    - गांव में कितने लड़कों की शांदिया हुई? ....
    - गांव में कितनी लड़कियों की शादी हुई? ....

क्र0	गांव के शादी होने वाले लड़के या लड़की का नाम		जिससे शादी हुई है उसकी उम्र
	नाम	उम्र	
1			
2			
3			

- उपरोक्त निकाली गई सूचना के आधार पर यह देखना कि कितने जोड़ो की शादी कानूनी रूप से वैद्य हुई है या नही हुई है, हम निम्न सारणी को भरेगें –

उम्र	जोड़ो की संख्या
18 साल से कम लड़की व या 21 साल से कम लड़का	
18 साल से ज्यादा लड़की व 21 साल से ज्यादा लड़का	

5. मातृत्व स्वास्थ्य –

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका

- फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि सर्वप्रथम गांव में समूह के लोगों के साथ मिलकर ऐसे महिलाओं की सूची बनाये जिन घरों में एक साल तक के बच्चे हैं।
- इसके बाद फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि प्रतिभागियों को चिन्हित घरो में जाकर उन महिलाओं से बात करके निम्न जानकारी ले। जानकारी लेने के दौरान उस महिला की सास या अन्य महिला भी जानकारी देने में हिस्सा ले सकती हैं।
  - तीन बार जांच हुई या नही?
  - प्रसव के लिए पति साथ में था या नही?
- प्रतिभागी समूह से एक व्यक्ति प्रश्न पूछें तथा दूसरा व्यक्ति निकलने वाली जानकारी को नोट करता जाय।

6. मातृत्व स्वास्थ्य में पुरूषों की भागीदारी –

- जांच के लिए पति साथ में था या नही?
- प्रसव के दौरान पति साथ में था या नही?

महिला का नाम	**जांच में पति की भागीदारी**			**प्रसव के दौरान पति की भागीदारी**
	पहली जांच	**दूसरी जांच**	**तीसरी जांच**	
योग				

7. बच्चों का टीकाकरण – एक साल तक के बच्चों का

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका :

- फैसलिटेटर सबसे पहले प्रतिभागियों को स्पष्ट करें कि उन चिन्हित परिवारों की सूची को फाइनल करें जहां एक साल तक के बच्चें हैं, सूची में बच्चें का नाम, उम्र व लिंग लिखा जाना जरूरी है।
- टीकाकरण सम्बंधी जानकारी लेने के लिए प्रतिभागी समूह में से दो लोगों की टीम बनाये जिनमें से एक लोग सवाल पूछें तथा दूसरा व्यक्ति निकलने वाली जानकारी को पैड पर लिखता जाय।
- इसके बाद सम्बंधित परिवारों के घर–घर जाकर टीकाकरण सम्बंधी जानकारी लेना है तथा उसे नीचे दी गई सारणी के अनुसार नोट करना है –
  - बी.सी.जी. – 1 टीका लगना चाहिये (जन्म के समय बाये हाथ में)
  - डी.पी.टी. का टीका – 3 टीके लगना चाहिये (1½ माह, 2½ माह, 3½ माह में)
  - खसरा का टीका – 1 टीका लगना चाहिये
  - विटामिन 'ए' – 1 बार (9 माह में पहली खुराक पिलाया जाना चाहिये)
  - पोलिया – 3 बार पिलाया जाना चाहिये
  - हेपेटाईटिस बी0 – 3 टीकें लगना चाहिये

- प्रतिभागी समूह से चाहिये कि वे जानकारी लेने के दौरान जिनसे जानकारी पूछ रहे हैं उन्हें सहयोग करते हुए बताये कि कौन सा टीका कहां पर लगता है तथा कितने टीके या कितनी बार दवा पिलाई जानी चाहिये।
- प्रतिभागी समूह को चाहिये कि वे बच्चें का टीकाकरण कार्ड की मांग करें तथा उसे देखते हुए भी सही स्थिति को समझने का प्रयास करे।
- बच्चों के टीकारण में पिताओं की भागीदारी

क्र0	बच्चें का नाम व परिवार का कोड सं0	उम्र माह में	लिंग M/F	BCG -1	DPT -3	Mesals -1	Hapititus B -3	Polio -3	Vitamin A -1	Total Point
1										
2										
3										

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों को बताये कि टेबिल में जिस बच्चे को जितने टीक लगाये गये हैं या जितनी बार दवा पिलाई गई हैं, उसकी संख्या उस कालम में लिखना है।
- इसके बाद प्रत्येक बच्चें को लगे टीके व पिलाई गई दवा की संख्याओं का योग कुल प्वाइन्ट के कालम में लिख दें।

8. बच्चों के जन्म में अन्तर सम्बंधी जानकारी :

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका –

- फैसलिटेटर स्पष्ट करे कि प्रतिभागियों को गांव में समूह चर्चा के माध्यम से पिछले तीन साल में कुल पैदा हुए बच्चों के परिवारों को चिन्हित कर उनकी सूची बना लें।
- **इसके बाद दो प्रतिभागी सम्बंधित घर जाकर सम्बंधित परिवार के उस महिला या पुरूष से जिसके बच्चे हैं निम्न जानकारी पता कर सकते हैं –**
  1. शादी के बाद पहला बच्चा/बच्ची कितने माह बाद पैदा हुआ?
  2. अन्तिम बच्चे और उसके पहले वाले बच्चे में कितने माह का अन्तर है?
- जानकारी लेने के दौरान उस महिला के साथ जिसके बच्चें हैं घर की कोई अन्य महिला भी उपस्थित हो सकती है, जिनकी मदद जानकारी निकालने में लेना चाहिये।
- प्रतिभागियों को गांव से निकलने वाली जानकारी को बाद में निम्न टेबिल के अनुसार भरना है –

बच्चा/बच्ची का नाम व परिवार का कोड	शादी के बाद पहला बच्चा (माह में)	अन्तिम बच्चे और उसके पहले वाले बच्चे के जन्म में अन्तर (माह में)
सी0 –1		
सी0 –2		
सी0 –3		
सी0 –4		
सी0 –5		
सी0 –6		
योग – ………		

9.एकल महिलाओं सम्बंधी जानकारी :

(एकल महिला– विधवा, तलाक शुदा, ऐसी महिला जिसे छोड़ा गया हो, जो बिना भाादी के रहती हो, जो अलग रहती हो आदि)

गतिविधि व जानकारी लेने का तरीका –

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों से कहे कि वे सामाजिक मानचित्रण के आधार पर चिन्हित किये गये परिवारों के आधार पर एकल महिलाओं की सूची को फाइनल करें।
- फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि समूह चर्चा के माध्यम से निम्न तीन बिन्दुओं को स्पष्ट करते हुए लोगों से प्रत्येक एकल महिलाओं की स्थिति के संदर्भ में समूह के सदस्यो की राय ले तथा मिलने वाले जवाबों को प्रतिभागी समूह से एक व्यक्ति नोट पैड में लिखता जाय तथा एक व्यक्ति चर्चा को फैसलिटेट करता रहे –
  1. पहचान – राशन कार्ड, पहचान पत्र बना है या नही निमत्रंण कार्ड मिलता है या नही?
  2. आर्थिक स्वतत्रंता – पेंशन, जमीन में मालिकाना हक है या नही?
  3. सामाजिक सोच/मूल्य – सामाजिक मान्यता, परम्परा, रीति–रिवाज क्या हैं?

चौथा दिन

सत्र : 1 फील्ड विजिट की रिपोर्ट लेखन व फील्ड अभ्यास का नियोजन करना

उद्देश्य :

1. फील्ड विजिट की रिपोर्ट तैयार हो पायेगी।
2. फील्ड अभ्यास हेतु नियोजन करना।
3. पूछताछ के बिन्दुओं, पूछताछ के तरीकों व टूल्स व प्रस्तुतीकरण के तरीकों पर चर्चा व अभ्यास करना

पद्धति : सामूहिक चर्चा, मैट्रिक्स बनाना व समूहों में भरना

समय : 4 घंटा

सामग्री : फिल्प चार्ट, मार्कर

गतिविधियां –

1. पोषण सम्बंधी जानकारी – गुणवत्ता व मात्रा

- प्रतिभागी समूह द्वारा गांव स्तर पर समूह चर्चा के माध्यम से निकाली गई जानकारी को निम्न टेबिल में भर ले।

गुणवत्ता व मात्रा	आंगनबाडी में बच्चों को मिलने वाला पोषाहार	आंगनबाडी गर्भवती/धात्री मॉ को मिलने वाला पोषाहार	स्कूल में मिलने वाला मिड डे मिल	राशन की दुकान
	11People *5=55	11People *5=55	9People *5=45	
अच्छा	35	6	21	
औसत	8	5	15	
खराब	12	44	9	
Score of good	35*100/55=63%	6*100/55=10%	21*100/45=46%	

- अधिकतम् अंको की गणना इस प्रकार से करेगें –

अधिकतम् अंक = कुल भाग लेने वालो की संख्या x प्रत्येक व्यक्ति को दी गई गोटी

- पोषण सम्बंधी स्थिति का आंकलन हम 'अच्छी स्थिति' में मिलने वाले कुल अंको के आधार पर ही करेगें क्योंकि हम चाहते हैं कि पोषण (गुणवत्ता व मात्रा) की स्थिति अच्छी होनी चाहिये। इसलिए स्थिति को हम प्रतिशत में निम्न प्रकार से निकालेगें –

$$\text{आंग0 में बच्चों को मिलने वाले पोषाहार की स्थिति \% में} = \frac{\text{'अच्छा' में प्राप्त कुल प्राप्त अंक} \times 100}{\text{अधिकतम् कुल अंक}}$$

- उपरोक्त सूत्र के आधार पर आंगनबाडी में गर्भवती/धात्री मॉ को मिलने वाला पोषाहार, स्कूल में मिलने वाला मिड डे मिल, किशोरियों को मिलने वाला पोषाहार व राशन की दुकान में मिलने वाले पोषाहार की स्थिति को निकालेगें।

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

स्थिति 80% से ज्यादा रहने पर = हरा

स्थिति 60%-80% के बीच रहने पर = पीला

स्थिति 60% से कम रहने पर = लाल

2. शौचालय सम्बंधी जानकारी –

गांव में कुल परिवारों की संख्या : ....

परिवारों में बने कुल शौचालय : ....

संस्थाओं में बने कुल शौचालय : .... (पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, स्कूल आदि)

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों को निर्देशित करें कि शौचालयों से सम्बंधित गांव से निकाली गई जानकारी को तैयार की गई निम्न टेबिल में भर लें तथा परिवार व संस्थाओं में बने शौचालयो से प्राप्त अंको का योग टेबिल के नीचे लिख दें।

शौचालय–परिवार संख्या	**सीट के साथ कमरा, पानी, दरवाजा है– 2 अंक**	**सीट के साथ केवल कमरे की व्यव्स्था है– 1 अंक**
T1		
T2		
T3		
कुल अंक		
शौचालय – संस्था	**सीट के साथ कमरा है, पानी है, दरवाजा है– 2 अंक**	**सीट के साथ केवल कमरे की व्यव्स्था है– 1 अंक**
पंचायत भवन		
आंगनबाडी केन्द्र		
स्कूल 1		
स्कूल 2		
कुल अंक		

परिवारों में बने शौचालयों की स्थिति -

- परिवारों में बने कुल शौचालयों की संख्या – ....

- परिवारों में बने शौचालयों का कुल स्कोर जो होना चाहिये – कुल शौचालयों की संख्या x 3
- परिवार में बने शौचालयों से प्राप्त अंक – .... (तीनो आधारों से प्राप्त अंको का योग)

- गांव में बने शौचालयों की स्थिति (प्रतिशत में) – $\dfrac{\text{परिवार में बने शौचालयों से प्राप्त अंक x 100}}{\text{कुल परिवारों की संख्या x 3}}$

■ **संस्थाओं में बने शौचालयों की स्थिति -**

- संस्थाओं में बने कुल शौचालयों की संख्या – ....
- संस्थाओं में बने शौचालयों का कुल स्कोर जो होना चाहिये – कुल शौचालयों की संख्या x 3
- संस्थाओं में बने शौचालयों से प्राप्त अंक –........ (तीनो आधारों से प्राप्त अंको का योग)

- संस्थाओं में बने शौचालयों की स्थिति (प्रतिशत में) – $\dfrac{\text{संस्थाओं में बने शौचालयों से प्राप्त अंक x 100}}{\text{संस्थाओं में होने वाले शौचालयों की सं0 x 3}}$

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

80% से ज्यादा शौचालय प्रयोग के लायक हैं तो = हरा

60%-80% के बीच प्रयोग लायक शौचालय = पीला

60% से कम शौचालय प्रयोग लायक हैं तो = लाल

3.शिक्षा : स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़का और लडकी सम्बंधी जानकारी –

■ सर्वप्रथम स्कूल जाने वाले और स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या का योग टेबिल के नीचे कर लें।

उम्र	कुल बच्चों की संख्या	लड़के		लड़कियां	
		स्कूल जाने वाले	स्कूल न जाने वाले	स्कूल जाने वाली	स्कूल न जाने वाली
12–18 साल			2		0
योग					

■ 12–18 साल के लड़को और लड़कियों का का ड्राप आउट (स्कूल न जाने वाले) का प्रतिशत अलग–अलग निम्न प्रकार से निकालें –

लड़कियों का ड्राप आउट प्रतिशत = $\dfrac{\text{12–18 साल के स्कूल न जाने वाली लड़कियां x 100}}{\text{12–18 साल के कुल लड़कियों की संख्या}}$

लड़को का ड्राप आउट प्रतिशत = $\dfrac{\text{12–18 साल के स्कूल न जाने वाले लडके x 100}}{\text{12–18 साल के कुल लड़कों की संख्या}}$

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

लड़के व लड़कियों का ड्राप आउट 80% से ज्यादा है तो = लाल

लड़के व लड़कियों का ड्राप आउट 60%-80% के बीच तो = पीला

लड़के व लड़कियों का ड्राप आउट 60% से कम है तो = हरा

4. शादी – पिछले तीन साल में हुई शादियों के आधार पर

- फैसलिटेटर, प्रतिभागियों को निर्देश दे कि सबसे पहले पिछले तीन साल में गांव में किनकी–किनकी शादी हुई है निम्न टेबिल के आधार पर उसकी सूची फाइनल करें।

क्र0	नाम व शादी के समय लड़के या लड़की की उम्र		जिसके साथ शादी हुई है उसकी उम्र
	नाम	उम्र	
1			
2			
3			
4			

  - कितने लड़कों की शांदिया हुई? ....
  - कितनी लड़कियों की शादी हुई? ....
  - कुल शादियों की संख्या – ....

- फैसलिटेटर स्पष्ट करें कि हमें गांव में हुई कुल शादियों की लिस्ट के आधार पर हमें देखना है कि कितने जोड़ो की शादी कानूनी तौर पर सही उम्र में हुई है और कितने जोड़ो की शादी सही उम्र में नही हुई है। निकलने वाली जानकारी को निम्न टेबिल में भरें –

शादी की उम्र	जोड़ो की संख्या
18 साल से कम लड़की व 21 साल से कम लड़का	(कम उम्र में शादी)
18 साल से ज्यादा लड़की व 21 साल से ज्यादा लड़का	(सही उम्र में शादी)

- **सही उम्र में हुई शादी का प्रतिशत** – हम यह चाहते हैं कि लड़की की शादी 18 साल तथा लड़के की शादी 21 साल से कम में नही होनी चाहिये। इसलिए गांव में सही उम्र में हुई शादियों के जोडों को देखने का प्रयास करना चाहिये कि कितने प्रतिशत शादियां सही उम्र में हो रही हैं –

$$= \frac{\text{सही उम्र में हुई शादियों के जोड़ो की संख्या} \times 100}{\text{गांव में हुई कुल शादियों की संख्या}}$$

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत – हमारा मानना है कि सभी शादियां सही उम्र में होनी चाहिये। लेकिन क्षेत्र विशेष के आधार पर स्थिति अलग–अलग हो सकती है इसलिए गांव में होने वाली शादियों को देखने के लिए मानकों का निर्धारण अलग–अलग हो सकता है। उदाहरण के लिए मानक दिये जा रहे हैं –

80% से ज्यादा शादिया सही उम्र में हो रही हैं तो = हरा

60%-80% के बीच शादिया सही उम्र में हो रही हैं तो = पीला

60% से कम शादिया सही उम्र में हो रही हैं तो = लाल

5. मातृत्व स्वास्थ्य सेवा सुविधा –

- फैसलिटेटर प्रतिभागियों को निर्देश दे कि सबसे पहले निम्न जानकारियों को निकालें –
  - कुल महिलाओं की संख्या – .... (जिनके एक साल तक के बच्चे हों/जो गर्भवती रही हो)
  - महिलाओं की संख्या जिनकी तीन बार जांच हुई है – ....
  - महिलाओं की संख्या जिनके प्रसव के लिए सहिया साथ में थी – ....
- प्रसव के दौरान जांच व प्रसव में सहिया की उपस्थिति का स्कोर जो होना चाहिये –

  = 3 (जांच) x कुल महिलाओं की संख्या + प्रसव के लिए जाने वाली महिलाओं की संख्या
- प्रसव के दौरान जांच व प्रसव में सहिया की उपस्थिति का प्राप्त स्कोर –

  = 3 x महि0 की सं0 जिनकी तीन जांच हुई हैं + महि0 की सं0 जिनके साथ प्रसव के लिए आशा गई है

- **मा0 स्वा0 सेवा का स्कोर % में–**

$$\frac{\text{प्रसव के दौरान जांच व प्रसव में सहिया की उपस्थिति का प्राप्त स्कोर} \times 100}{\text{प्रसव के दौरान जांच व प्रसव में सहिया की उप0 का स्कोर जो होना चाहिये}}$$

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत– 80% से ज्यादा–हरा, 60%-80% के बीच–पीला, 60% से कम– लाल

6. मातृत्व स्वास्थ्य देखभाल में पुरूषों की भागीदारी –

1. कुल महिलाओं की संख्या – .... (जिनके एक साल तक के बच्चे हों/जो गर्भवती रही हो)
2. महिला की जांच के दौरान पति साथ में थे, उनकी सं0 – .... (हर पति को 3 बार जाना चाहिये)
3. प्रसव के दौरान पति साथ में गये थे, उनकी संख्या – .... (एक बार)

- कुल गर्भवती महिलाओं की संख्या – 12
- हर महिला के लिए पति का जरूरी साथ (जांच व प्रसव में) – 4 बार + जटिलता की सं0
- स्कोर जो मिलना चाहिये – (4 बार x गर्भवती महिलाओं की संख्या) = ... अंक

पुरूष भागीदारी में मिले कुल प्वाइन्ट % में =

$$\frac{\text{(महिला की जांच के दौरान पति का साथ का योग + प्रसव के दौरान उपस्थित रहे पतियों की संख्या)} \times 100}{\text{स्कोर जो मिलना चाहिये}}$$

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

80% से ज्यादा पुरूषों की भागीदारी = हरा

60%-80% के बीच पुरूषों की भागीदारी = पीला

60% से कम पुरूषों की भागीदारी = लाल

7. बच्चों का टीकाकरण –

- **एक साल तक के बच्चों को लगने वाले टीकें व दवा :**
  - बी.सी.जी. – 1 (जन्म के समय बाये हाथ में)
  - डी.पी.टी. का टीका – 3 (1½ माह, 2½ माह, 3½ माह)
  - खसरा का टीका – 1
  - विटामिन 'ए' –1 बार (9 माह में)

- पोलिया – 3 बार
- हेपेटाईटिस बी0 – 3 टीकें

क्र0	बच्चें का नाम व परिवार का कोड सं0	उम्र माह में	लिंग M/F	BCG 1	DPT 3	Mesals 1	Hapititus B 3	Polio 3	Vitamin A 1	Total Point-12
1										
2										
3										
	योग									

- एक साल तक के कुल बच्चों की संख्या = -------
- कुल टीकाकरण से अपेक्षित प्वाइन्ट = 12 x बच्चों की कुल संख्या
- उपरोक्त टेबिल के आधार पर बच्चों के टीकाकरण के प्वाइन्ट = -------

स्कोर प्रतिशत में = बच्चों के टीकाकरण के प्वाइन्ट का योग x 100 / कुल टीकाकरण से अपेक्षित प्वाइन्ट

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

80% से ज्यादा बच्चों का टीकाकरण हुआ है तो = हरा

60%-80% के बीच बच्चों का टीकाकरण हुआ है तो = पीला

60% से कम बच्चों का टीकाकरण हुआ है तो = लाल

- **टीकाकरण में पिताओं की भागीदारी -**

टीकाकरण में भागीदारी का स्कोर प्रतिशत में – कुल टीकाकरण में पिताओं की भागदीदारी को मिले प्वाइन्ट x 100 / टीकाकरण में भागीदारी को लेकर अपेक्षित प्वाइन्ट

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

80% से ज्यादा लड़कियों का टीकाकरण हुआ है तो = हरा

60%-80% के बीच लड़कियों का टीकाकरण हुआ है तो = पीला

60% से कम लड़कियों का टीकाकरण हुआ है तो = लाल

8. बच्चों के जन्म में अन्तर :

- पहला बच्चा/बच्ची भाादी के बाद कितने माह में पैदा हुआ?
- अन्तिम बच्चें और उसके पहले वाले बच्चें में कितने माह का अन्तर था?

बच्चा/बच्ची का नाम व परिवार का कोड	शादी के बाद पहला बच्चा (माह में)	अन्तिम बच्चें और उसके पहले वाले बच्चे के जन्म में अन्तर (माह में)
सी0 –1		
सी0 –2		
सी0 –3		
सी0 –4		

सी0 –5		
योग – ……..		

- पिछले तीन साल में कुल पैदा हुए बच्चों की संख्या – …….
- शादी के 24 माह बाद पैदा हुए पहले बच्चों की कुल संख्या – …….
- अन्तिम बच्चें और उसके पहले वाले बच्चे के जन्म में 24 माह का अन्तर वाले बच्चों की संख्या – …….

शादी के दो साल बाल पैदा हुए बच्चों का %= 24 माह बाद पैदा हुए पहले बच्चों की कुल संख्या x 100 / पिछले तीन साल में कुल पैदा हुए बच्चों की संख्या

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

24 माह बाद पैदा हुए बच्चों की संख्या यदि 80% से ज्यादा = हरा

24 माह बाद पैदा हुए बच्चों की संख्या यदि 60%-80% के बीच = पीला

24 माह बाद पैदा हुए बच्चों की संख्या यदि 60% से कम = लाल

अन्तिम बच्चें और उसके पहले वाले बच्चे जिनके जन्म में दो साल का अन्तर है का % =

= अन्तिम बच्चें और उसके पहले वाले बच्चे के जन्म में 24 माह का अन्तर वाले बच्चों की संख्या / पिछले तीन साल में कुल पैदा हुए बच्चों की संख्या

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

अन्तिम बच्चें व उसके पहले वाले बच्चें जिनके जन्म में 2 साल का अन्तर है 80% से ज्यादा है तो = हरा

अन्तिम बच्चें व उसके पहले वाले बच्चें जिनके जन्म में 2 साल का अन्तर है 60-80% के बीच है तो= पीला

अन्तिम बच्चें व उसके पहले वाले बच्चें जिनके जन्म में 2 साल का अन्तर है 60% से कम है तो = लाल

9. एकल महिला –

1. पहचान – राशन कार्ड, पहचान पत्र बना है या नही निमत्रंण कार्ड मिलता है?
2. आर्थिक स्वावलम्बंन – पेंशन है, मनरेगा में जाती है, जमीन में मालिकाना हक है?
3. सामाजिक सोच/मूल्य– अछूत/बुरा बर्ताव आदि क्या हैं?

एकल महिलाओं का नाम	पहचान है (पहचान पत्र, राशन कार्ड/निमत्रंण कार्ड)	आर्थिक स्वावलम्बन है अर्थात दूसरो पर निर्भर नही रहना है (जमीन, पेंशन, मनरेगा)	सामाजिक सोच अच्छी है (अछूत या बुरा बर्ताव नही करते, अशुभ नही मानते)
कुल म0–4	6	5	2

चर्चा में शामिल लोगों की कुल संख्या – …….

कुल प्वाइन्ट जो मिलना चाहिये = 3 (आधार) x चर्चा में शामिल लोगों की संख्या

कुल मिले प्वाइन्ट = पहचान में मिले प्वाइन्ट + आर्थिक स्वावलम्बन + सामाजिक सोच में मिले प्वाइन्ट

एकल महिला को प्राप्त कुल प्वाइन्ट का प्रतिशत = $\dfrac{\text{कुल मिले प्वाइन्ट} \times 100}{\text{कुल प्वाइन्ट जो मिलना चाहिये}}$

रिपोर्ट कार्ड के लिए मानक व संकेत –

80% से ज्यादा प्वाइन्ट मिलने पर एकल महिला की स्थिति = हरा

60%-80% के बीच प्वाइन्ट मिलने पर एकल महिला की स्थिति = पीला

60% से कम प्वाइन्ट मिलने पर एकल महिला की स्थिति = लाल

–: रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुतीकरण :–

गांव का नाम – .... **कुल परिवारों की संख्या – ....**

ब्लाक – .... **जिला – ....**

Issues	Status/ score	Standered	Signal
Education Drop out Age between 12-18	Boys 12-18 = ---- Girls 12-18 = ----	>80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	
Age at Marriage of Girl & Boys Age at marriage 18+, 21+	18+, 21+ = ---- -18 or -21 = ---- Valid married = ----	>80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	
Sanitation Toilet in Family = ------- Room with water & gate = Room without gate = Room without water = No toilet = 0 point **Toilet in institution(AWC)** Room with water & gate = ----- Room without gate = ------- Room without water = -----	Score = ---- % Score ---- %	>80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	

Nutrition **NSF to children in AWC** **NSF to Women in AWC** **Mid Day Meals**	Good NSF = ---- Average = ---- Bad = ---- Score of good = --- Good NSF = ---- Average = ----- Bad = ----- Score of good = -----% Good NSF = ---- Average = ---- Bad = ----- Score of good= -----%	>80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	
Spacing in birth **1st child after marriage +24 months** **2nd child/ 3rd child after previous birth**	Total 1st child = ------- Child after 24 mo = ----- Score = ----- % Total child = ----- Child after 24 mo = ----- Score = ----- %	>80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	
Single women Total women = ------- Identity-(voter, Rashan card,) Economic independent (MNRGA, pension, land) Social norms (untouchable or bad treat)	participants = ----- Total point = ----- Ident = ----- Eco = ---- Soc Norm = ----- Total point = ------ Score = -----%	 >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	
Immunization of children year old Total children of 1 year = ---- **BCG-1, Polio-3, DPT-3, Mesals-1, Vit A-1, Hapititus B-3** **Fathers participation in Immunisation** Girls immunization point Boys Immunisation Point	Total immu = ----- Total Child = ----- Total Imu =12*--- = ----- Total immu held = ----- Score = -----% Score = -----%	>80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	
Maternal Health Total pregnant women in last 1 year = ------ ANC= 3 time checkup = ----- Asha was during prag. = ----- **Husband participation:** Campainion in chekup = ---- During delivery = -----	 Anc & support = ---- Tl Anc & support = ----- Score = -----% Req. campaini= ----- Total camp = ---- Score = ------%	 >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red >80% = Green 60%-80% = Yellow < 60 = Red	

Problem analysis (समस्या विश्लेषण) –

Issues/ Problems (मुद्दे/समस्याएं)	Social reason (सामाजिक कारण)	Services (सेवाएं)	Other reason (अन्य कारण)
Education Drop out			
Age at Marriage of Girl & Boys Age at marriage 18+, 21+			
Sanitation - • Toilet in Family • Toilet in institution			
Nutrition - • NSF to children in AWC • NSF to Women in AWC • Mid Day Meals			
Spacing in birth - • 1st child after marriage +24 months • 2nd child/ 3rd child after previous birth			
Single women – T. women=4 • Identity-(voter, Rashan card,) • Economic independent (MNRGA, pension, land) • Social norms (untouchable or bad treat)			
Immunization of children 1 year old - Total children of 1 year=12 BCG-1, Polio-3, DPT-3, Mesals-1, Vit A-1, Hapititus B-3 **Fathers' participation in Immunisation -**			
Maternal Health - **Total pregnant women in last 1 year= 12** ANC= 3 time checkup Sahiya was during prag. **Husband participation:** Campainion in chekup- During delivery-			

सत्र : 2 व्यक्तिगत नियोजन व प्रशिक्षण का रिव्यू –

उद्देश्य : प्रतिभागियों तैयार किये गये रिपोर्ट कार्ड और विश्लेषणात्मक चर्चा से निकले बिन्दुओं के आधार पर एक्शन प्लान तैयार कर पायेगें।

पद्धति : व्यक्तिगत

समय : 90 मिनट

गतिविधि :

1. फैसलिटेटर को चाहिये कि वे निम्न ढ़ाचे के अनुसार पी0आर0ए0 किये गये गांवों का नियोजन तैयार करें।
2. इसके बाद सभी प्रतिभागियों अपने–अपने गांव में पी0आर0ए0 प्रक्रिया के बाद समूह के साथ बैठ कर सामाजिक बदलाव का नियोजन तैयार करेगें।

3. रिपोर्ट कार्ड की शेयरिंग व बदलाव का नियोजन समुदाय के साथ करते हुए सोशल चार्टर को गांव के सार्वजनिक स्थानों पर डिस्प्ले करेगें।

मुद्दा/समस्या	**परिवार के स्तर पर क्या करेगें**	**समुदाय के स्तर पर क्या करेगें**
शिक्षा में लड़कियों का ड्राप आउट		
कम उम्र में शादी		
शौचालय		
पोषण		
मातृत्व स्वास्थ्य व पुरूषों की भागीदारी		
शिशु स्वास्थ्य		
बच्चों के जन्म में अन्तर		
एकल महिला		

प्रतिभागियों का फीड बैक –

- फैसलिटेटर प्रतिभागियों के साथ निम्न टेबिल के अनुसार वोटिंग के माध्यम से प्रशिक्षण का फीड बैक लें। निम्न प्रश्नावली को चार्ट/बोर्ड में लिख दें, जिसके बाद प्रत्येक प्रतिभागी हर बिन्दु पर निशान लगाकर अपना मत देगें।
- इसके बाद प्रशिक्षण के फीड बैक का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर विश्लेषण किया जा सकता है।

क्र0	**मुद्दे पर जानकारी व समझ/प्रक्रिया**	**ठीक–ठाक**	**औसत**	**कम**
1	महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक			
2	सार्वजनिक नीतियां व कार्यक्रम			
3	पी0आर0ए0, सामाजिक–संसाधन मानचित्रण			
4	पोषण – मात्रा व गुणवता			
5	शौचालय			
6	शिक्षा – स्कूल जाने वाले व न जाने वाले बच्चें			
7	शादी – शादी में सही उम्र			
8	मातृत्व स्वास्थ्य – जांच, प्रसव में आशा की भागीदारी			
9	मातृत्व स्वास्थ्य में पुरूषों की भागीदारी			
10	बच्चों का टीकाकरण			
11	बच्चों के जन्म में अन्तर			
12	एकल महिला–पहचान, आर्थिक स्वावलम्बन, सामाजिक सोच			
13	रिपोर्ट कार्ड बनाना व समस्या विश्लेषण			
14	गांव का नियोजन बनाना			
15	फैसलिटेटर का व्यवहार – 1. 2.			